

यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट नदबई

(श्री विनोद कुमार गीना आर0ए0एस0)

मुकदमा संख्या 63/2017

अर्न्तगत धारा 88,89,188 आरटी एक्ट

निर्णय दिनांक 19.8.2019

1. जयवीर पिसरान मलूका जाति जाटव निवासी करीली तहसील नदबई जिला
2. कपूरा भरतपुर

बनाम

1. गुलाबसिंह
2. महावीरसिंह पिसरान कैलासिंह जाति जाटव निवासी करीली तहसील नदबई
3. अजयपाल पिसरान फुलसिंह
4. रवि
5. गुडडी पति सुगडसिंह
6. प्रकाश पुत्र रामकेशन
7. राधे पुत्र रामकेशन
8. सुभरन पिसरान मंगल
9. हरवीर
10. रामवीर
11. वीरेन्द्रसिंह पिसरान मनहोती जाति जाटव निवासी करीली तहसील नदबई
12. नाहरसिंह
13. बबलू
14. मनोज
15. शाखा प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक नदबई
16. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार नदबई

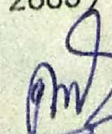
उपस्थित

- 1 भरतलाल चौधरी एडवोकेट
- 2 सुरेश सिंह एडवोकेट
- 3 रमेश देशवाल एडवोकेट

निर्णय

दिनांक 19.8.2019

दावा श्री भरतलाल चौधरी एडवोकेट द्वारा पेश किया गया। जिसका सक्षेप सार इस प्रकार है। यह है कि विवादित आराजी खाता संख्या 504 के खसरा संख्या 798 रकबा 0.17 2808 रकबा 0.21, 2813 रकबा 0.26 2885 / 876 रकबा


उपखण्ड अधिकारी

रकबा 0.07, 2887/801 रकबा 0.15, 2888/1279 रकबा 0.32, 2897/2810 रकबा 0.15, 2898/2812 रकबा 0.02 किता 8 रकबा 1.38 हैक्ट 0 व खाता संख्या 686 के आराजी खसरा संख्या 1193 रकबा 0.20, 1197 रकबा 0.20, 1198 रकगा 0.20 किता 3 रकबा 0.60 हैक्ट 0 वाके ग्राम करीली तहसील नदबई में स्थित है।

जबकि आराजी मृतदाबिया वर्णित 2 वाद पत्र में अकित खातेदारी की आराजी के खाता संख्या 504 खसरा संख्या 788, 2808, 2813, 2885/876, 2887/881, 2888/1279, 2897/2810, 2898/2812 किता 8 रकबा 1.38 हैक्ट 0 वाके ग्राम करीली नदबई वादीगण एवं प्रतिवादीगण संख्या 1 लगायत 4 की पैत्रिक सम्पति है। जो मृतक बाबा रामखिलाडी पुत्र मटोली की खातेदारी की है। जिसमे वादीगण व प्रतिवादीगण अपने आपको खातेदारी घोषित करा पाने का अधिकारी है।

यह है कि वादीगण एवं प्रतिवादीगण के बाबा मृतक रामखिलाडी का सजरा निम्न प्रकार है वाद पत्र में दर्शाया गया है जो दावा को लडने व फैसले में सहायक सिद्ध होगा।

रामखिलाडी (मृतक)

मलूका (मृतक)	कैलासिंह (मृतक)	फूलसिंह (मृतक)
जयवीर कपूरा वदसि01 वादीस02	गुलाबसिंह प्रति0स01	महावीरसिंह प्रति0स02
		अजयपाल प्रति0स03
		रवि प्रति0स04

यह है विवादित आराजी खाता संख्या 686 के खसरा संख्या 1193 रकबा 0.20, 1197 रकबा 0.20, 1198 रकबा 0.20 किता 3 रकबा 0.60 हैक्ट 0 वाके ग्राम करीली तहसील नदबई में वादीगण के पिता मलूका व प्रतिवादी संख्या 1 व 2 के पिता कैलासिंह व प्रतिवादी संख्या 3 व 4 के पिता फूलसिंह 1/12, 1/12 हिस्से के हाल राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। तथा 1/12 हिस्से में वादीगण एवं प्रतिवादीगण संख्या 1 लगायत 4 की दादी भगवन्ती पत्नि रामखिलाडी का हाल राजस्व रिकार्ड में खातेदारीका इन्दाज है। जिसमे भगवन्ती की मृत्यु हो गई है। जिसमे वादीगण व प्रतिवादीगण संख्या 1 व 2 एवं प्रतिवादीगण संख्या 3 व 4 का हिस्सा बराबर यानि 1/3, 1/3 हिस्सा पर मनवट के आधार पर काबिज होकर काशत करते चले आ रहे है। लेकिन इस समय वादीगण व प्रतिवादीगण के बीच मनवट के आधार पर काबिज होकर काशत करना संभव नहीं रहा है। ऐसी सूरत में वादीगण विवादित आराजी वर्णित नुद संख्या 2 वादपत्र का कानूनी बंटवारा किये जाने हेतु न्यायालय से बंटवारा की प्रीमिनल डिक्ली पारित करवाकर तहसीलदार नदबई के लिए कुरा रिपोर्ट भेजी जाकर प्राप्त कुरा रिपोर्ट की फाइनल डिक्ली घोषित करा पाने के अधिकारी है।

उप खण्ड अधिकारी
नदबई भरतपुर (राज.)

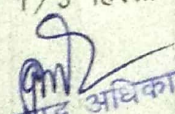
प्रतिवादीगण ने वादीगण के लिए दिनांक 20.1.2019 को व मुकाम करीली तहसील नदबई पर एलानियां धमकी दी है। वह बिना बँटवारा किये आराजी मुतदाबिया का रहनवय मुत्तकिल कर कब्जे से बेदखल करके रहेगे। अगर प्रतिवादीगण अपनी दी गई धमकी में कामयाब हो गये तो वादीगण को अजीम क्षति होगी जिसकी पूर्ति जरिये नगद नही हो सकेगी। अतः वादीगण खिलाफ प्रतिवादीगण को जरिये हुक्म इम्तनाई दावामी की डिक्री से पांबद करा पाने का अधिकारी है। वादीगण की कब्जे काशत आराजी मे किसी प्रकार की मदाखलत मजाहमत न करे एवं रहनवय मुत्तकिल न करे। तथा राजस्व रिकार्ड व मौके की यथा स्थिति बनाये रखे।

वादीगण व प्रतिवादी के पिता मलूका व कैलासिंह व फूलसिंह की मृत्यु मृतक रामखिलाडी से पूर्व मे व बाद मे हुई है।

वादीगण विरुद्ध प्रतिवादीगण निम्ननुसार फरमाये जाने की प्रार्थना की गई है। विवादित आराजी मुतदाबिया वर्णित मद संख्या 2 वाद पत्र की खाता संख्या 504 मे मृतक रामखिलाडी के नाम से हाल खातेदारी के इन्द्राजात हो रहे हे। उनके स्थान पर वादीगण संख 1 व 2 को 1/3 हिस्से का व प्रतिवादीगण संख्या 1 व 2 को 1/3 हिस्से का एवं प्रतिवादीगण संख्या 3 व 4 को 1/3 हिस्से का खाता संख्या 686 मे हाल राजस्व रिकार्ड भगवन्ती पत्नि रामखिलाडी के नाम के 1/12 हिस्से की खातेदारी के इन्द्राजात को कलमजन किया जाकर वादीगण व प्रतिवादीगण संख्या 1 व 2, तथा प्रतिवादी संख्या 3 व 4 को वा हिस्सा बराबर यानि 1/3, 1/3 हिस्से का खातेदार काशतकार घोषित किया जावे।

वादीगण व प्रतिवादीगण के बीच आराजी मुतदाबिया वर्णित आराजी मद संख्या 2 वाद पत्र मे सामान्तर तीन कुरे जात किये जाकर अलग-अलग खातेदारी एवं अलग अलग लगान घोषित किया जावे। तथा प्रतिवादीगण को जरिये अस्थाई निगाधाजा से पांबद किया जावे। ताकि वादीगण के कब्जे काशत मे किसी प्रकार की मदाखलत व मजाहमत न करे।

दावा को सर्व मजिका कर प्रतिवादीगणों को जरिये सम्मन तलव किये गये। प्रतिवादी संख्या 5 लगायत 14 की और से उपस्थित होकर विद्वान अधिवक्ता रमेश देशदेव ने इकबाल दावा पेश किया। तथा प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 4 की और से विद्वान अधिवक्ता सुरेशसिंह उपस्थित हुये। तथा दिनांक 07.3.2019 को प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 4 के अधिवक्ता सुरेशसिंह व वादी संख्या 1 व 2 के अधिवक्ता भरतलाल द्वारा राजीनामा पेश किया। जिसे दिनांक 07.8.2019 को वादीगण संख्या 1 व 2 तथा प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 4 के स्वयं उपस्थित होकर राजीनामा को तसदीक गई। तथा अपने राजीनामा में लिखा कि वादीगण व प्रतिवादीगण संख्या 1 लगायत 4 के बीच विवादित आराजी मुतदाकिया वर्णित मद संख्या 2 वाद पत्र के संबंध मे इस कदर राजीनामा हो गया है। हाल राजस्व रिकार्ड मे मृतक रामखिलाडी व दादी भगवन्ती के नाम खातेदारी का इन्द्राज चले आ रहे है। उन दोनों मृतक के नाम को कलमजन करवाकर 1/3 हिस्सा में


उप खण्ड अधिकारी
नदबई भरतपुर (राज०)

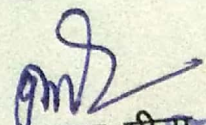
वादीगण व 1/3 में असल प्रतिवादीगण 1 व 2 व 1/3 हिस्सा में असल प्रतिवादी संख्या 3 व 4 को वा हिस्सा बराबर का खातेदार काशतकार घोषित किया जाकर मौके अनुसार तीन समान्तर कुर्रेजात किये जाकर अलग अलग खातेदारी व अलग लगान घोषित किया जावे मुताबिक राजीनामा दावा डिक्री किये जाने को पूर्ण सहमत हैं

साक्ष्य के तौर व वादीगण के अधिवक्ता द्वारा नकल हाल जमाबंदी 2074-77 खाला संख्या 504,686, व शपथ पत्र pw 1 2 3 पेश किये गये। तथा रामखिलाडी व मालूका का मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति पेश की गई।

हमने वादी के वादपत्र व प्रस्तुत दस्तावेजो का अवलोकन व मनन किया। एवं इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि वादी द्वारा प्रस्तुत वादपत्र वाद हेतुक के बगैर प्रस्तुत किया गया है। वादीगण द्वारा अपने बाबा व पिता की मृत्यु के विरासत द्वारा रिकार्ड अधतन न करा पाने का कोई कारण अपने वादपत्र व बहस में नहीं बताया। साथ ही वादपत्र में मद संख्या 7 में वादीगण द्वारा बताया की प्रतिवादीगण ने विवादित आराजी को रहनवय मुन्तकिल करने की धमकी दी है। जबकि वादीगण के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज साक्ष्य जमाबंदी सम्वत 2074-77 में विवादित आराजी वादीगण व प्रतिवादीगण के बाबा मृतक रामखिलाडी के नाम दर्ज रिकार्ड है तो प्रतिवादीगण द्वारा बेचान किया जाना संभव नहीं है। वादीगण के वाद पत्र की मद संख्या 7 में प्रतिवादीगण द्वारा विवादित आराजी को रहन वय करने की धमकी देने का उल्लेख हैं। जबकि प्रतिवादीगण संख्या 1 लगायत 4 के द्वारा उपरिथत दी। प्रथम पेशी पर ही वादपत्र के तथ्यों को स्वीकार करना भी वादपत्र के बिना वाद हेतुक के वाद प्रस्तुत करने को साबित करना है। साथ ही वादीगण द्वारा अपने सजरे को सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किया है।

उपयुक्त विवेचन के मध्य नजर हम वादीगण के वाद को काबिले खारिज समझते हैं। अतः दावा वादीगण के वाद को खारिज किया जाता है। पर्चा डिक्री जारी हो।

निर्णय आज दिनांक 19. 08. 2019 को लिखया जाकर सुनाया गया पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम कि जाकर दाखिल दफतर हो


विनोद कुमार मीना
उपखण्ड अधिकारी
नदबई नदबई सरतपुर (राज.)